10 लाख घनमीटर की अनुमति के विरुद्ध 80 लाख घन मीटर का अवैध भंडारण

दो लाख घन मीटर की नहीं की रॉयल्टी जमा, बिना अनुमति के लगा अवैध क्रेशर एवं हो रहा अवैध परिवहन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 5 अगस्त। पन्ना जिले में खनिज का अवैध परिवहन उत्खन एवं अवैध भंडारण राजनेताओं, जनप्रतिनिधियों एवं खनन माफ्यिाओं का एक मात्र लक्ष्य बनकर रह गया है। इसी कारण वे राजनीति में आकर राजनैतिक रक्षाकवच के रूप में उसका उपयोग करते है।

एक ऐसा ही उदाहरण लगभग 2 वर्षो से पन्ना जिले के पन्ना-सतना मुख्य मार्ग पर नेशनल हाईवे के किनारे बहेरा में निर्धारित अनुमति से कई गुना अधिक अवैध बोल्डर पत्थर का भण्डारण रेलवे की निर्माण ऐजेंसी त्रिशुल कान्ट्रंक्शन कंपनी द्वारा बहेरा के खसरा नम्बर 48/1 व 48/2 में किया गया है जिसमें कुछ

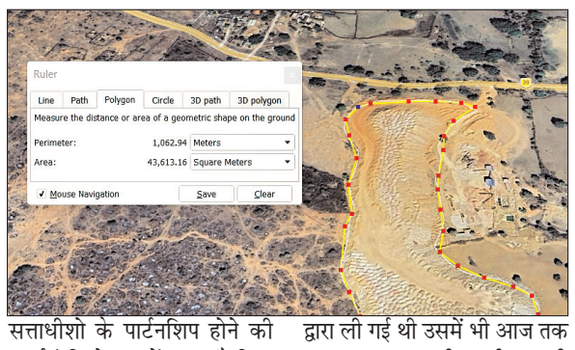

सत्ताधीशो के पार्टनशिप होने की चर्चाएं जिले भर में व्याप्त है जिस कारण से जिला प्रशासन चाहते हुए भी कोई कार्यवाही नही कर पा रहा है। जब इसकी जानकारी खंगाली गई तो पता चला कि मात्र 10 लाख घन मीटर के भण्डारण की अनुमति खनिज विभाग से निर्माण ऐजेंसी द्वारा ली गई थी उसमें भी आज तक मात्र 8 लाख घन मीटर की रायल्टी जमा की गई है 2 लाख घन मीटर की रायल्टी आज तक जमा नही की गई है। साथ ही निर्धारित स्वीकृत सीमा से कई गुना अधिक लाखो घनमीटर बोल्डर पत्थरों का अवैध भण्डाराण किया गया है। बिना किसी स्वीकृति के एएस माईनिंग एसोसिएटस ऐजेंसी द्वारा अवैध रूप से क्रेशर लगाकर रेलवे निर्माण ऐजेंसी सहित पूरे जिले के निर्माण कार्यो हेतु व्यापारिक तौर पर हर साईज की गिट्टी, एम सेंड आदि की बिना किसी वैध अभिवाहन पास के प्रतिमाह करोड़ो की विक्रय की जा रही है। जिससे प्रतिमाह शासन को लाखो रूपये की रायल्टी की क्षति पहुंच रही है।

जब उपरोक्त मामलें में एएस माईनिंग एसोसिएट्स के मनोज रॉय से चर्चा की गई तो उन्होंने कहा कि निर्धारित मात्रा से कम ही बोल्डर पत्थर का भंडारण किया गया है। उनके द्वारा कोई भी नियमविरूद्ध अवैध परिवहन नही किया जा रहा। जब उनसे क्रेशर की अनुमति के बारे में पूछां गया तो उनके द्वारा बताया गया कि उनके पास सभी प्रकार की अनुमतियां है। वहीं जब रेलवे निर्माण ऐजेंसी त्रिशूल कन्ट्रंक्शन कंपनी के संचालक मनीष अग्रवाल से मोबाइल फोन पर संपर्क कर उपरोक्त बकाया रायल्टी तथा अवैध भंडारण एवं परिवहन की अनुमति के संबंध में चर्चा करनी चाही तो उन्होंने मोबाइन रिसिव नही किया जिस कारण उनका पक्ष नही रखा जा सका।

क्या कहते हैं अधिकारी

जब उपरोक्त मामलें में उपसंचालक खनिज डॉ. रवि पटेल से उनका पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने कहा कि बहेरा में दस लाख घनमीटर बोल्डर पत्थर की अनुमति प्रदान की गई थी। अभी दो लाख घन मीटर की रायल्टी त्रिशूल कन्ट्रंक्शन से आना शेष है जिसके जमा कराने के लिये पत्राचार किया गया है। वहीं जब उनसे पूछा गया कि वहां पर एएस माईनिंग एसोसिएट्स द्वारा क्रेशर स्थापित कर गिट्टी आदि का उत्पादन किया जा रहा है तो उन्होंने बताया कि क्रेशर लगाने हेतु खनिज विभाग द्वारा कोई अनुमति प्रदान नही की गई है। बोल्डर पत्थर के कई गुना अधिक भंडारण किये जाने के मामलें में उन्होंने कहा कि उनके द्वारा मौके पर जाकर उनके द्वारा निरीक्षण एवं माप करने के बाद ही कुछ कह पायेंगे।

ब्रह्माकुमारीज के 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का हुआ शुभारंभ

बृजेंद्र प्रताप सिंह ने किया उद्घाटन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 5 अगस्त। समाज को नशे के चंगुल से मुक्त करने और युवाओं को सही दिशा देने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारीज द्वारा शुरू किए गए 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महा अभियान का पन्ना में विशाल एवं भव्य शुभारंभ हुआ। इस गरिमामय कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मंत्री एवं वर्तमान पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि नशा आज समाज और हमारे युवाओं के भविष्य के लिए एक अत्यंत गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर एक स्वस्थ, जागरूक और संस्कारित समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएं। संस्था के इस प्रयास की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज का यह महा अभियान समाज सुधार की दिशा में एक बेहद श्रेष्ठ और अनुकरणीय कदम है। समारोह में उपस्थित ब्रह्माकुमारीज की बहन जी ने अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह महाअभियान संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि जी की 19वीं पुण्य स्मृति को समर्पित है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा ब्रह्माकुमारीज के संयुक्त सहयोग से चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य केवल 10 करोड़ लोगों से प्रतिज्ञा पत्र भरवाना मात्र नहीं है। बल्कि देश के 10 करोड़ नागरिकों के भीतर एक सकारात्मक जीवन परिवर्तन का व्यापक जन आंदोलन खड़ा करना है। उल्लेखनीय है कि 6 से 20 अगस्त तक चलने वाले इस विशाल नशा मुक्ति जन आंदोलन के तहत जिले के प्रत्येक स्कूल, कॉलेज, गांव और विभिन्न सामाजिक संगठनों तक पहुंचकर नशा मुक्ति का संदेश घर-घर प्रसारित किया जाएगा।

जीप-बाइक की भिड़ंत, दो गंभीर

सीएचओ व भृत्य ने की मरहम-पट्टी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 5 अगस्त। पन्ना जिले के शाहनगर जनपद पंचायत अंतर्गत आज इमलिया गांव के समीप एक मोटरसाइकिल और जीप के बीच हुई भीषण टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। हादसे में पिपरिया रघुनाथ निवासी रितिक चौधरी और सुखदेव चौधरी के दाहिने पैर में गंभीर चोटें आई हैं, वहीं जीप सवार सरपंच पति रशीद खान भी चोटिल हुए हैं।

घटना की सूचना मिलने पर डायल 112 के पुलिस स्टाफ ने मौके पर पहुंचकर घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर पहुंचाया। हालांकि,

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर पहुंचते ही अस्पताल की बदहाल व्यवस्था सामने आ गई। परिजनों और पुलिस पायलट की मदद से घायलों को स्ट्रेचर के जरिए ड्रेसिंग रूम तक पहुंचाना पड़ा।

ड्यूटी पर डॉक्टरों की अनुपस्थिति के कारण सीएचओ ने मरीजों की जांच की, जबकि ड्रेसर की जगह भृत्य ने घायलों की मरहम-पट्टी की। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें कटनी जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया।

प्राथमिक शाला कोढनपुरा में अतिक्रमण

बुनियादी सुविधाओं के अभाव से छात्र बेहाल

नवभारत न्यूज

पन्ना, 5 अगस्त। जिले के विकासखंड पन्ना अंतर्गत आने वाली शासकीय प्राथमिक शाला कोढनपुरा (जमुनहाई), संकुल केंद्र रक्सेहा की स्थिति इन दिनों बेहद दयनीय बनी हुई है।

विद्यालय परिसर में जहां एक तरफ दबंगों द्वारा चारों तरफ से लगातार पिलर बनाकर अतिक्रमण किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफस्कूली छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को स्कूल पहुंचने तथा पठन-पाठन में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दबंगों द्वारा शाला की शासकीय भूमि पर बाउंड्री निर्माण का रास्ता रोका जा रहा है, और इस विषय में आवाज उठाने पर विवाद, लड़ाई-झगड़ा तथा झूठी शिकायतों में फंसाने की धमकियां दी जा रही हैं। इसके अलावा तिलगंवा से कोढनपुरा जमुनहाई होते हुए विद्यालय तक पहुंचने वाला लगभग तीन किलोमीटर का रास्ता कच्चा, कीचड़युक्त और उबड़-खाबड़ है, जो बारिश के दिनों में पैदल चलने लायक भी नहीं बचता। इस कारण न केवल कोढनपुरा के छोटे बच्चे, बल्कि कक्षा पांच उत्तीर्ण कर अन्यत्र पढ़ने जाने वाले छात्र भी आने-जाने में भारी मुसीबत झेल रहे हैं। विद्यालय का भवन भी अत्यंत जर्जर हो चुका है। बारिश में छत से पानी टपकने के कारण कमरों में पानी भर जाता है, जिससे स्कूल का महत्वपूर्ण रिकॉर्ड गीला होकर खराब हो रहा है और प्लास्टर टूटकर गिर रहा है। पीने के पानी की बात करें तो विद्यालय और पूरे गांव के हैंडपंपों से लोह-युक्त (आयरन युक्त) दूषित पानी आ रहा है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। साथ ही इलाके में लो-वोल्टेज और मोबाइल नेटवर्क न होने से ऑनलाइन हाजिरी (ई-अटेंडेंस) जैसे शासकीय कार्य भी पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। विद्यालय के शिक्षकों एवं ग्रामीणों ने खसरा क्रमांक 1174 का सीमांकन करवाकर अतिक्रमण हटाने, पक्की बाउंड्रीवाल का निर्माण कराने, सड़क पक्की बनवाने, शौचालय और भवन की मरम्मत तथा शुद्ध पेयजल की व्यवस्था कराने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों से अविलंब कार्यवाही की गुहार लगाई है।

अपेक्स बैंक प्रशासक यादव आएंगे पन्ना

पन्ना 5 अगस्त मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक मर्यादित मध्यप्रदेश भोपाल के प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव आगामी 8 अगस्त को पन्ना आयेंगे। श्री यादव के भोपाल कार्यालय से जारी कार्यक्रम के अनुसार वे 8 अगस्त को मऊगंज से प्रस्थान कर रात्रि पन्ना पहुंचेगे एवं रात्रि विश्राम पन्ना में ही करेंगे। अगले दिन 9 अगस्त को प्रात: 9 बजे से जनप्रतिनिधियों से भेंट तथा 10 बजे जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित पन्ना की समीक्षा बैठक लेंगे।

शाहनगर में संवाद के जरिए रुका अतिक्रमण

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 अगस्त। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के शाहनगर वन परिक्षेत्र में वन अमले ने बलप्रयोग के बजाय संवाद का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए अतिक्रमण के प्रयास को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

मानसून गश्ती अभियान के दौरान मरहा सर्किल की ताला बीट स्थित वन कक्ष क्रमांक 1050 में जब वन दल ने कृषकों को अवैध कब्जे की कोशिश करते देखा, तो उन्होंने विवाद करने के बजाय किसानों से सीधे बातचीत शुरू की। गश्ती दल ने बेहद ही शांत और सकारात्मक माहौल में किसानों को रूटशूट रोपण की तकनीक और उसके दूरगामी फायदों की जानकारी दी। वन

कर्मियों ने ग्रामीणों को समझाया कि इस प्रकार का वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि भविष्य में आसपास के किसानों की जमीन और खेती के लिए भी बेहद लाभकारी सिद्ध होगा।

वन विभाग की इस संवेदनशील समझाइश का किसानों पर गहरा प्रभाव पड़ा। परिणामस्वरूप, संबंधित कृषक बिना किसी विरोध के सहर्ष रोपण कार्य कराने के लिए तैयार हो गए और उन्होंने पौधों की सुरक्षा में पूर्ण सहयोग देने का भी आश्वासन दिया।

इस सराहनीय कार्यवाही में मरहा परिक्षेत्र सहायक आर. पी. पटेल, ताला बीटगार्ड उदयभान सिंह, देवरा बीटगार्ड विनोद कुमार वर्मा एवं सुरक्षा श्रमिक मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जेके सीमेंट के प्रबंध निदेशक ने मुंबई अस्पताल में पवई विधायक से की शिष्टाचार भेंट

पन्ना 5 अगस्त। मुंबई के एक अस्पताल में जेके सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. राघवपत सिंघानिया ने ईलाज करा रहे पवई विधायक प्रहलाद लोधी से मुलाकात की। विधायक प्रहलाद लोधी वर्तमान में स्वास्थ्य संबंधी कारणों से अस्पताल में भर्ती हैं। इस दौरान डॉ. सिंघानिया ने उनसे मिलकर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना और उनके इलाज से जुड़ी जानकारी ली। मुलाकात के दौरान डॉ. राघवपत सिंघानिया ने विधायक प्रहलाद लोधी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और बातचीत के दौरान विधायक लोधी ने भी डॉ. सिंघानिया की इस सहृदयता के लिए उनका धन्यवाद जताया।

सीएसआर पशुधन क्रांति से 22 हजार से अधिक किसान हुए लाभान्वित

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 अगस्त। जेके सीमेंट पन्ना द्वारा अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर के तहत जेके ट्रस्ट के सहयोग से संचालित पशुधन विकास कार्यक्रम ने पन्ना जिले के ग्रामीण अंचलों में पशुपालन और आजीविका के क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखा है।

जिले के तीन अलग-अलग ब्लॉकों में स्थापित 30 एकीकृत केंद्रों के जरिए अब तक 22,854 किसानों और पशुपालकों को सीधे तौर पर इस योजना से जोड़कर लाभांवित किया जा चुका है। इस दौरान कुल 29,338 कृत्रिम गर्भाधान संपन्न कराए गए, जिनमें से 19,911 मामलों में गर्भाधान की पुष्टि हुई। इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सतत प्रयास के सुखद परिणाम स्वरूप क्षेत्र में 8,150 उच्च गुणवत्ता वाली उन्नत नस्ल के बछड़ों का जन्म हुआ है, जिससे स्थानीय पशुपालकों के पास बेहतर नस्ल के पशुओं की संख्या बढ़ी है। पशुओं को घातक बीमारियों से बचाने के लिए 1,68,690 परजीवी नियंत्रण और 64,140 पेट के कीड़ों के उपचार (डीवॉर्मिंग) के मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही 26,524 प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं, 26,268 टीकाकरण और 12,268 बांझपन निवारण के सफल उपचार किए गए। ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाओं को सुलभ बनाने के लिए इस पूरी अवधि में 575 विशाल पशु स्वास्थ्य शिविरों का सफल आयोजन किया गया, इसके तहत 6,934 पशुपालकों को गुणवत्तापूर्ण हरा चारा बीज और पौष्टिक आहार वितरित किया गया, साथ ही 510 यूनिट खनिज मिश्रण भी उपलब्ध कराया गया। किसानों को पारंपरिक पशुपालन से बाहर निकालकर आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए 4,310 प्रसार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अजयगढ़ में होगा 11 दिवसीय श्री शिव महापुराण का आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 अगस्त। नगर अजयगढ़ में लगातार दूसरे वर्ष श्री शिव महापुराण कथा एवं संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 06 अगस्त से 16 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 4 बजे से हरि इच्छा तक आयोजित होगा।

आयोजन स्थल महेश्वरी माता मंदिर, मड़ियन, अजयगढ़ रहेगा, जहां प्रतिदिन श्रद्धालु भगवान शिव की महिमा का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करेंगे। आयोजन समिति के अनुसार कथा का शुभारंभ 06 अगस्त को भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। दोपहर 2 बजे कलश यात्रा राधाकृष्ण

मंदिर से प्रारंभ होकर महेश्वरी माता मंदिर, मड़ियन पहुंचेगी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, महिलाएं एवं युवाओं की सहभागिता रहेगी साथ ही प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 12 बजे तक रुद्राभिषेक एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण का आयोजन भी किया जाएगा। इस वर्ष शिव महापुराण कथा का वाचन वृंदावन धाम से पधार रहे पंडित लक्ष्मीकांत जी महाराज द्वारा किया जाएगा। कथा के दौरान भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों, माता पार्वती विवाह, शिव महिमा, रुद्रावतार, शिव परिवार, भक्तों के कल्याण तथा अन्य धार्मिक प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया जाएगा।

पेड़ में पिता ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 अगस्त। जिला अस्पताल पन्ना के प्रसूति वार्ड में गूंजी नवजात बच्चे की किलकारियों की मिठास अभी कम भी नहीं हुई थी कि अचानक आई एक खौफनाक खबर ने खुशियों के उस माहौल को पल भर में चीख-पुकार और मातम में तब्दील कर दिया।

धरमपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम रमजूपुर के रहने वाले पैंतालीस वर्षीय मजदूर महेंद्र सिंह का शव मंगलवार की अलसुबह पन्ना थाना इलाके के नगरसेना ग्राउंड परिसर में एक पेड़ पर संदिग्ध परिस्थितियों में लटका हुआ पाया गया। सुबह-सुबह मैदान की तरफ निकले राहगीरों ने जब पेड़ से शव झूलते देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते वहां लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गई। महज अड़तालीस घंटे पहले ही महेंद्र सिंह की पत्नी ने जिला अस्पताल में एक स्वस्थ बेटे को जन्म दिया था। पिता बनने का सुख हासिल करने के बाद महेंद्र अपने परिवार के भावी भविष्य को लेकर आशान्वित थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। जिस प्रसूता पत्नी को अभी तक इस बात का अंदाजा भी नहीं है कि उसके नवजात के सिर से पिता का साया हमेशा-हमेशा के लिए उठ चुका है, वह अब भी अस्पताल के बिस्तर पर भर्ती है। जिस घर में बच्चे के आगमन की बधाइयां बांटी जा रही थीं और उत्सव का माहौल था, वहां अब केवल परिजनों के अश्रुपूरित चेहरे और रिश्तेदारों का क्रंदन ही सुनाई दे रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही पन्ना थाना पुलिस की टीम तुरंत हरकत में आई और दलबल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस बल ने घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण करने के उपरांत पंचनामा तैयार किया और शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के लिए जिला चिकित्सालय भिजवा दिया। पुलिस प्रशासन मृतक के करीबियों, परिजनों और परिचितों से बातचीत कर हर संभावित कोण से बारीकी से पड़ताल में जुटा हुआ है।

दक्षिण पन्ना वनमण्डल के मोहन्द्रा परिक्षेत्र में सीलोन ओक वृक्ष की हुई पहचान

नवभारत न्यूज

पन्ना 5 अगस्त। दक्षिण पन्ना वनमण्डल के मोहन्द्रा वन परिक्षेत्र में नियमित वन गश्त के दौरान एक दुर्लभ सीलोन ओक (कुम्भी) वृक्ष की पहचान की गई। वनपाल जगदीश प्रसाद अहिरवार ने बीट पश्चिम मोहन्द्रा के वन कक्ष 1232 में इस वृक्ष को चिन्हित किया।

इसका वानस्पतिक नाम केरिया अर्बोरिया है, जो लेसिथाइडेसी कुल का सदस्य है। इसे सामान्यत: सीलोन ओक, जंगली अमरूद तथा संस्कृत में कुम्भी के नाम से जाना जाता है। इसके घड़े (कुम्भ) के समान आकार के फल, बड़ी एवं चिकनी पत्तियाँ तथा शीत ऋतु में हरी पत्तियों का लाल रंग में परिवर्तित होना इसकी प्रमुख

विशेषताएँ हैं। यह वृक्ष सामान्यत: 15 से 48 फीट तक ऊँचा होता है तथा इसके फल रसीले एवं स्वादिष्ट होते हैं। आयुर्वेद एवं लोक चिकित्सा में इसकी छाल और पत्तियों का उपयोग घाव भरने, खाँसी तथा पेट संबंधी समस्याओं के उपचार में किया जाता रहा है। वर्तमान समय में प्राकृतिक वनों में यह प्रजाति अपेक्षाकृत दुर्लभ होती जा रही है।

पन्ना जिले का एकमात्र पुरातत्व संग्रहालय बना आकर्षण का केंद्र

नवभारत न्यूज

सलेहा, 5 अगस्त। सलेहा समीपस्थ ग्राम पंचायत नचने के चौमुखनाथ मंदिर परिसर में स्थित केन्द्रीय पुरातत्व संग्रहालय इन दिनों पर्यटकों, श्रद्धालुओं और शोधार्थियों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

पुरातत्व विभाग द्वारा प्राचीन मूर्तियों एवं पुरावशेषों के संरक्षण के उद्देश्य से निर्मित इस संग्रहालय में चौथी शताब्दी से लेकर विभिन्न कालखंडों की दुर्लभ प्रतिमाएं सुरक्षित रखी गई हैं। पन्ना जिले का यह एकमात्र पुरातत्व संग्रहालय क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत का जीवंत प्रमाण माना जाता है। यहां संरक्षित प्रतिमाएं प्राचीन भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और उस समय की धार्मिक आस्था तथा मूर्तिकला की समृद्ध परंपरा को प्रदर्शित करती हैं। यह संग्रहालय विद्यार्थियों, शोधार्थियों और देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले इतिहास एवं पुरातत्व प्रेमियों के लिए अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। केन्द्रीय पुरातत्व विभाग द्वारा संग्रहालय को प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दर्शकों के लिए खुला रखा जाता है। पुरातत्व संग्रहालय में प्रत्येक प्रतिमा के साथ उसके इतिहास एवं विशेषताओं की जानकारी भी प्रदर्शित की गई है, जिससे आगंतुकों को प्राचीन सभ्यता और संस्कृति को समझने में आसानी होती है।

रक्ताल्पता से निबटने जिला पंचायत परिसर में हुआ शिविर का आयोजन, 50 यूनिट रक्त संग्रहित

शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्त की कमी को दूर करना और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना

नवभारत न्यूज

पन्ना, 5 अगस्त। पन्ना जिला चिकित्सालय में रक्ताल्पता (एनीमिया) के लगातार बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत परिसर में 5 अगस्त को एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमराव सिंह मरावी के आह्वान पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर का मुख्य उद्देश्य जिले में लगातार हो रही रक्त की कमी को दूर करना और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना रहा। शिविर में पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह, कलेक्टर उषा परमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. पी. तिवारी, सिविल सर्जन डॉ. आलोक गुप्ता सहित जिला पंचायत व जनपद पंचायत पन्ना के अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक और राज्य आजीविका मिशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्तदान कर समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने स्थानीय प्रशासन की इस मानवीय पहल की सराहना की। वहीं कलेक्टर उषा परमार ने बताया कि जिले में रक्त की कमी के कारण मरीजों को गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ रहा था, जिसके समाधान के रूप में यह शिविर एक बेहद सराहनीय और अच्छी शुरुआत है। उन्होंने सभी आम नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. पी. तिवारी ने कहा कि रक्त एक प्राकृतिक दान है जिसे खरीदा नहीं जा सकता, केवल स्वप्रेरणा और दान के माध्यम से ही अन्य मरीजों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि रक्तदान पूरी तरह से सुरक्षित प्रक्रिया है, जिसमें दाताओं के स्वास्थ्य की गहन जांच के बाद ही रक्तदान कराया जाता है। डॉ. आलोक गुप्ता और स्वास्थ्य कर्मचारियों की टीम ने शिविर में आए सभी दाताओं की श्रेणीवार जांच, रक्त संचयन और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए प्रक्रिया पूरी कराई। इस विशाल शिविर में कुल 80 व्यक्तियों ने रक्तदान हेतु पंजीयन कराया, जिनमें से स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत 50 पात्र रक्तदाताओं ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। इस प्रकार शिविर में कुल 50 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।

शिविर के सफल और सुचारू आयोजन में जनपद पंचायत पन्ना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जयशंकर तिवारी, आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक प्रमोद शुक्ला, परियोजना अधिकारी पीयूष मिश्रा, खंड पंचायत अधिकारी घनश्यामदास शर्मा, समर्थन संस्था के ज्ञानेंद्र तिवारी, लैब टेक्नीशियन रामनाथ ओमरे, आदि का सराहनीय और उल्लेखनीय योगदान रहा।